



---

---

---

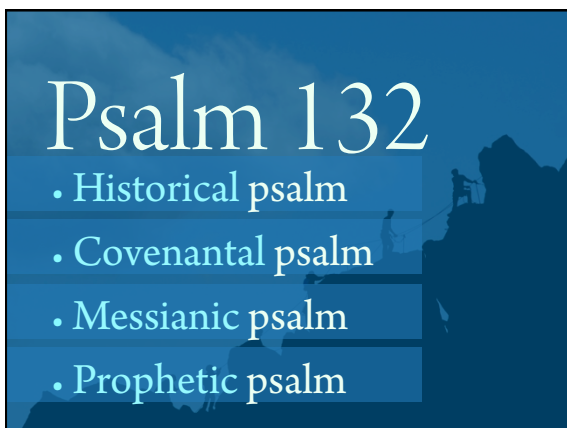
---

---

---

---

---



---

---

---

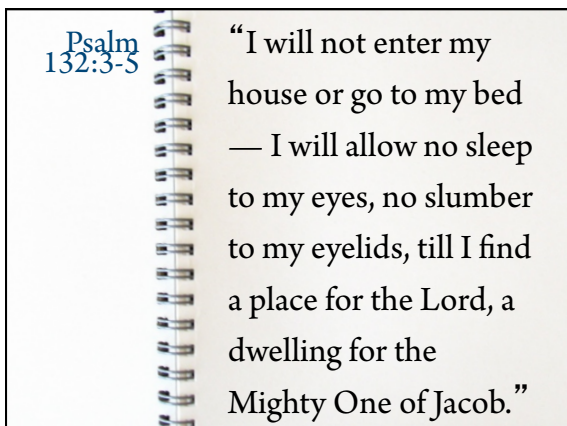
---

---

---

---

---



---

---

---

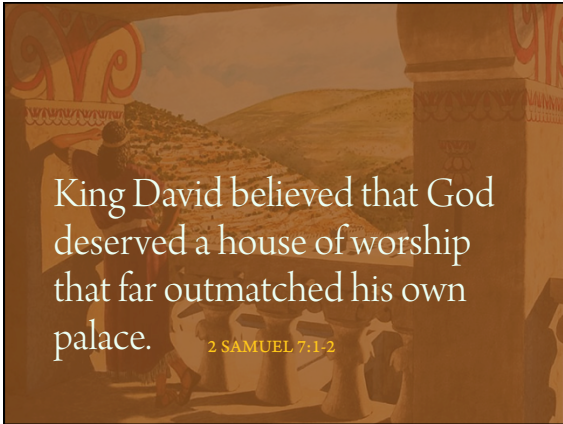
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---



---

---

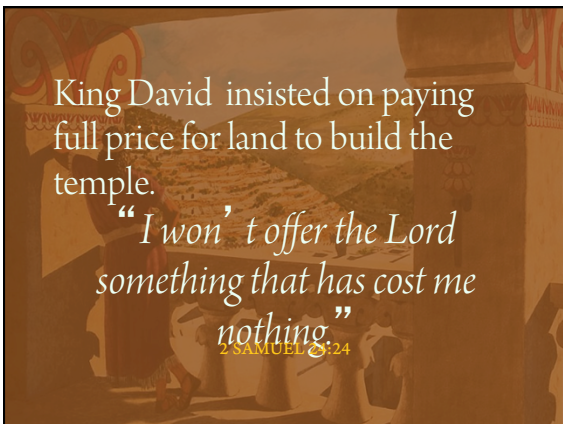
---

---

---

---

---



---

---

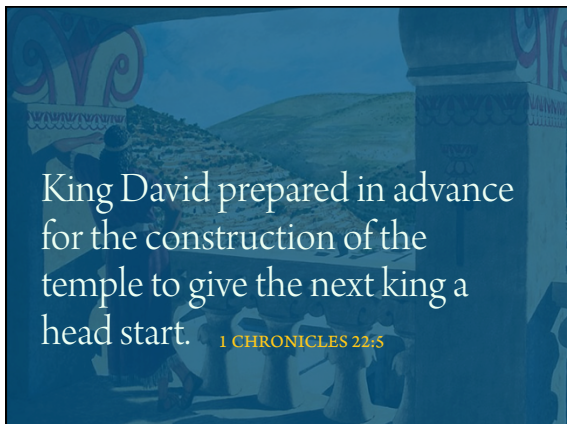
---

---

---

---

---



---

---

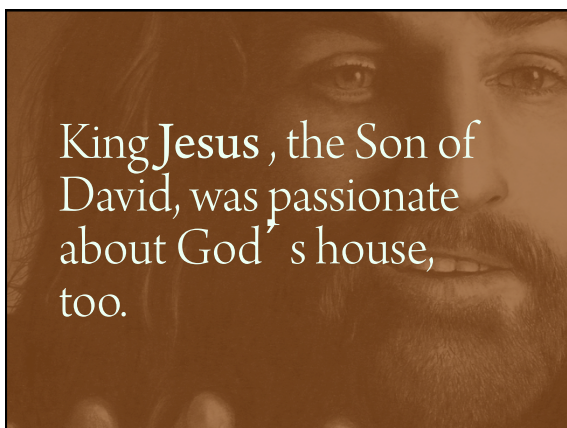
---

---

---

---

---



---

---

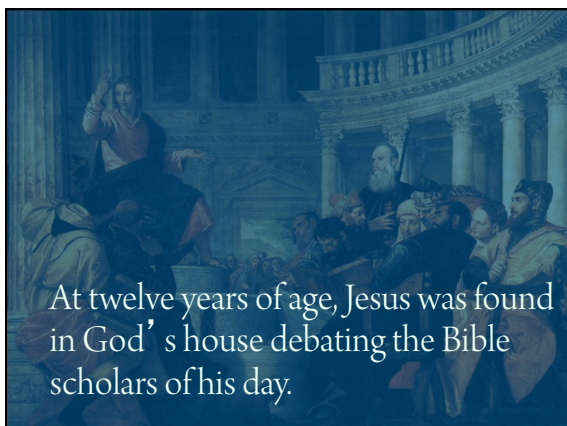
---

---

---

---

---



---

---

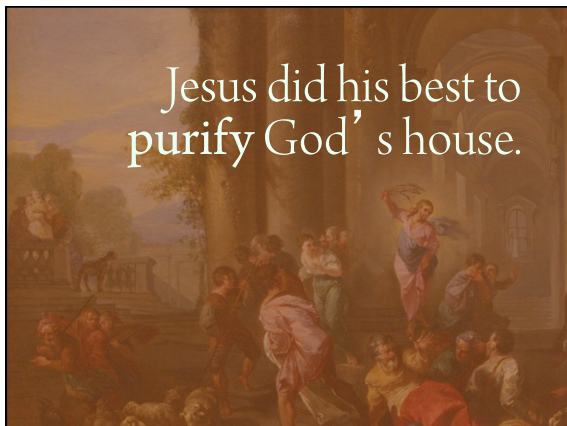
---

---

---

---

---



---

---

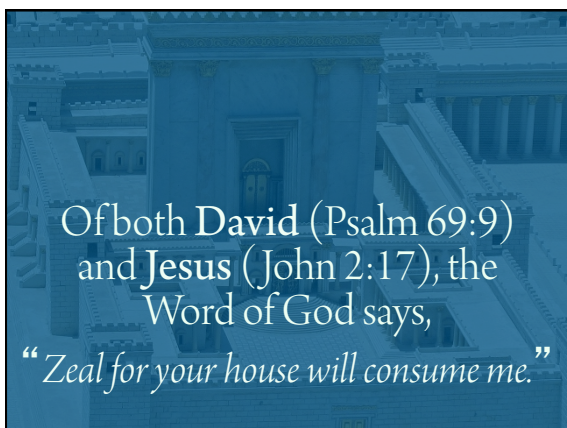
---

---

---

---

---



---

---

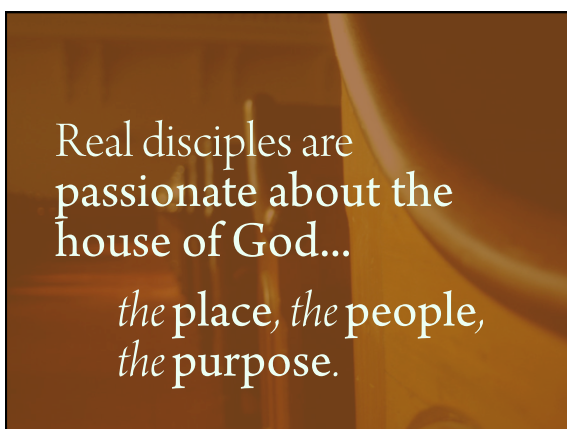
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---



How do you become **zealous** for a thing?

1. You place importance upon it.
2. THEN you will begin to take pleasure in it

---

---

---

---

---

---

---

*Zeal for God's house consumes authentic disciples!*

---

---

---

---

---

---

---

“I am writing you these instructions so that ... you will know how people ought to conduct themselves in God's household, which is the church of the living God.”  
**1 TIMOTHY 3:14-15**

---

---

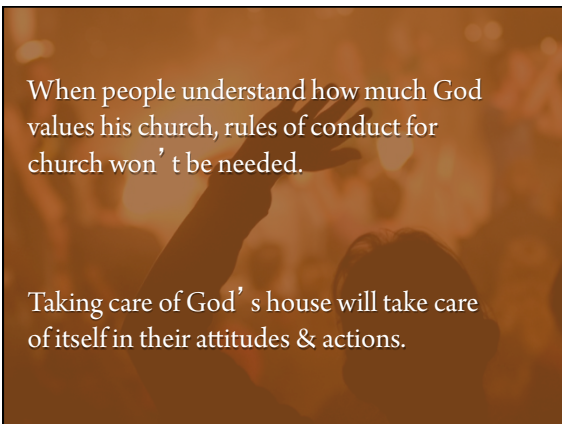
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---



---

---

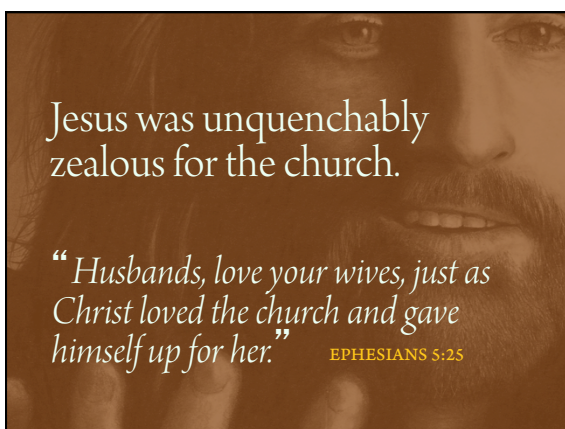
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

*“Don't you know that you yourselves are God's temple and that God's Spirit lives in you? If anyone destroys God's temple, God will destroy him; for God's temple is sacred, and you are that temple.”*

1 CORINTHIANS 3:16-17

---

---

---

---

---

---

---

---

*“Keep watch over yourselves and all the flock of which the Holy Spirit has made you overseers. Be shepherds of the church of God, which he bought with his own blood.”*

ACTS 20:28

---

---

---

---

---

---

---

---

How do you love what Jesus loved?

**You support it!**  
Arrange your life around the place, the people and the purposes of your church

---

---

---

---

---

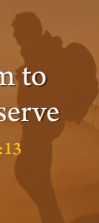
---

---

---

How do you love what Jesus loved?

*You serve it!*  
“Don’t use your spiritual freedom to indulge your own desires; rather, serve one another in love.” GALATIANS 5:13



---

---

---

---

---


---

---

---

How do you love what Jesus loved?

*You shield it!*  
“Let us concentrate on the things which make for harmony, and on the growth of our fellowship.” 1 CORINTHIANS 14:19



---

---

---

---

---


---

---

---

How do you love what Jesus loved?

*You love it!*  
“Just as Christ loved the church and gave himself up for her.” EPHESIANS 5:25



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---